राष्ट्रीय कार्यशाला

“तकनीकी शिक्षा में शोध, नवाचार और उद्यमिता विकास: राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२०”

National Workshop on Research, Innovation & Entrepreneurship in Technical Education: NEP 2020

फरवरी १०-११, २०२४

स्थल

सरदार वल्लभभाई पटेल अतिथि गृह (SVNIT Guest-House)
सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,सूरत,
गुजरात, पिन ३९५००७

आयोजक

सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,सूरत
राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद
इंस्टीट्यूट ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी, रिसर्च एंड मैनेजमेंट, अहमदाबाद
गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली

तकनीकी शिक्षा में शोध, नवाचार और उद्यमिता विकास: राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२०

१० और ११ फरवरी, २०२४

पूर्व पीठिका

डॉ. के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में बनी समिति की सिफारिशों के आधार पर तैयार राष्ट्रीय एजुकेशन नीति 2020 का मुख्य उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ शिक्षा में नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देना तथा भारतीय शिक्षा प्रणाली को वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा के योग्य बनाना, वैश्विक स्तर पर शैक्षिक रूप से महाशक्ति बनाना तथा भारत में शिक्षा का सार्वभौम करण कर शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना है। इस नीति में शिक्षकों के प्रशिक्षण पर विशेष बल दिया गया है। व्यापक सुधार के लिए शिक्षक-प्रशिक्षण और सभी शिक्षा कार्यक्रमों को विश्वविद्यालयों या कॉलेजों के स्तर पर शामिल करने की सिफारिश की गई है। उच्चतर शिक्षण संस्थान स्टार्ट-अप, इन्क्यूबेशन सेंटर, प्रौद्योगिकी विकास केंद्र, अनुसंधान केंद्र, अधिकतम उद्योग-अकादेमिक जुडाव और मानविकी और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान सहित अंतर-विषय अनुसंधान की स्थापना करके अनुसंधान और नवाचार पर फोकस करेंगे। छात्र समुदाय के बीच नवाचार को बढावा देने के लिए उच्चतर शिक्षण संस्थान विशिष्ट हैंडहोल्डिंग तंत्र विकसित करेंगे।

भारत में समग्र और बहु विषयक शिक्षा की प्राचीन परंपरा है, ज्ञान का विभिन्न कलाओं के रूप में दर्शन भारतीय चिंतन की देन है जिसे पुनः भारतीय शिक्षा में सम्मिलित किया जाएगा, इसका एक बहुत महत्वपूर्ण प्रभाव ये होगा कि युवाओं के लिए कभी भी भविष्य में अर्थोपार्जन का कोई रास्ता बंद नहीं होगा और वे अपने संपूर्ण ज्ञान का प्रयोग स्वयं के व्यक्तिगत, सामाजिक और राष्ट्र के विकास में कर पाएंगे। उच्चतर शिक्षा संस्थानों को विभिन्न स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की छूट दी जाएगी, जैसे ३ वर्ष के स्नातक डिग्री वाले विद्यार्थियों के लिए २ वर्षीय कार्यक्रम, ४ वर्ष के शोध स्नातक विद्यार्थियों के लिए एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम व ५ वर्ष का एकीकृत स्नातक कार्यक्रम हैं। सीखने की आकर्षक और सहायक पद्धतियों के लिए विभिन्न पहल की जाएंगी जैसे कि उच्चतर शिक्षा में नई रचनात्मकता लाने के लिए पद्धति में नवाचार और लचीलापन लाना होगा। छात्रों में गुणवत्ता पूर्ण आदान प्रदान हेतु विभिन्न क्लब और गतिविधियां कराई जाएंगी, जिससे कि एक स्वतंत्र माहौल में शिक्षकों का संबंध विद्यार्थियों के मार्गदर्शक और संरक्षक के रूप में भी हो। सारे कार्यक्रमों का यही लक्ष्य होगा कि सभी कार्यक्रम गुणवत्ता के वैश्विक मानकों को प्राप्त कर पाएं, इससे युवा वर्ग दूसरे देशों की ओर कम आकर्षित होंगे और देश की प्रतिभाओं का सदुपयोग देश के विकास के लिए हो पाएगा।

प्रासंगिक और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करणे से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दो पर विचार-विमर्श एवं संधान प्रदान करने के लिये उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा के शिक्षकों एवं देश के शिक्षाविदों के लिये इस २ दिवसीय ज्ञानोत्सव कार्यशाला का आयोजन किया है। ३४ वर्षों के लंबे अंतराल के बाद भारत में केंद्रित, नवोन्मेशी, लोकतांत्रिक एवं विद्यार्थी केंद्रित राष्ट्रीय शिक्षा नीती जारी की गयी है। इस नीति के निर्माण के बाद भी नीति पार व्यापक विमर्श की आवश्यकता है, जिससे शिक्षा जगत से जुडे सभी लोग इस नीति को भली भांति समझ सके ताकि इसके समुचित क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त हो सके। इन उद्देश्यों को दृष्टीगत करते हुए यह कार्यशाला फरवरी १० -११ , २०२४ को “शिक्षा से आत्मनिर्भर भारत” संकल्पना पार प्रस्तावित है। शिक्षा से छात्र, शिक्षण संस्थान एवं देश आत्मनिर्भर बने इस विषय पर इस कार्यशाला में विशेष चिंतन होगा।

इसमें प्रमुख रूप से तीन विषय होगे:
- शिक्षा में शोध, नवाचार और उद्यमिता विकास
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० का क्रियान्वयन
- आत्मनिर्भर भारत में शैक्षिक संस्थाओं की भूमिका

विमर्श इस बात पर केंद्रित होगा कि शैक्षणिक संस्थान, सामुदायिक जुड़ाव, शिक्षा और अनुसंधान में स्टार्ट-अप व विकास से देश को आत्मनिर्भर बनाने में किस प्रकार योगदान दे सकते हैं। इस आयोजन में देश भर के लगभग ८०-१०० कुलगुरू, निदेशकों, वरिष्ठ शिक्षाविदों, और शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों को आमंत्रित किया जायेगा।

तकनीकी शिक्षा में शोध, नवाचार और उद्यमिता विकास: NEP २०२०

१० और ११ फरवरी, २०२४

दिन १ | फरवरी १०, २०२४ | शनिवार

सत्र	समय	नवाचार और उद्यमिता के उत्तम एवं सफल प्रयास
१	प्रातः १०.३० बजे	उदघाटन सत्र
२	प्रातः ११ से १ बजे तक	नवाचार-पारिस्थितिकी का चरणबद्ध विकास
३	दोपहर २.३० से ४.०० बजे तक	नवाचार और उद्यमिता के उत्तम एवं सफल प्रयास
४	शाम ५ से ६.३० बजे तक	समूह चर्चा एवं समापन सत्र

दिन २ | फरवरी ११, २०२४ | रविवार

सत्र	समय	शोध के उत्तम एवं सफल प्रयास
१	प्रातः १०.३० से ११.०० बजे तक	प्रस्तावना सत्र
२	प्रातः ११ से १ बजे तक	भारतीय परिपेक्ष्य में शोध-पारिस्थितिकी का विकास
३	दोपहर २.३० से ४.०० बजे तक	उभरती प्रौद्योगिकियों: सामाजिक चुनौतियाँ
४	दोपहर ४.३० से ६.०० बजे तक	पेटेंट व IP राइट्स: तकनीक हस्तांतरण, नवाचार एवं स्टार्टअप्
५	शाम ५ से ६.३० बजे तक	समूह चर्चा एवं समापन सत्र

प्रमुख सम्माननीय वक्ता

डॉ. अतुल कोठारी | राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृती उत्थान न्यास
डॉ अभय करंदीकर| सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
डॉ. अरविंद रानडे| निदेशक, राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
प्रो. उन्नत पंडित| महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिन्ह , मुंबई
प्रो. राजीव कुमार| सदस्य सचिव, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली
डॉ अनिता अग्रवाल| विभाग प्रमुख, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
प्रो. कन्निवरण गणेशन| राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC), भारत

सलाहकार समिति

प्रो. अनुपम शुक्ला | निदेशक, सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,सूरत
प्रो. शैलेन्द्र सराफ| निदेशक, राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), अहमदाबाद
प्रो. भृगु नाथ सिंह | महानिदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी, रिसर्च एंड मैनेजमेंट, अहमदाबाद
प्रो. राजुल गज्जर| कुलपति, गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
डॉ रविप्रकाश तिवारी| निदेशक, तकनीकी शिक्षा में बहुविषयक शिक्षा और अनुसंधान सुधार (MERITE) परियोजना, भारत
डॉ जयेंद्रसिंह जादव| महामात्र, गुजरात साहित्य अकादमी, गुजरात

संयोजक

डॉ शंभु नाथ शर्मा, डॉ दीपक जोशी, डॉ देबेश रॉय, डॉ अतुल सराफ| सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,सूरत
डॉ अक्षय मेहता, डॉ नवनीत खन्ना| इंस्टीट्यूट ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी, रिसर्च एंड मैनेजमेंट, अहमदाबाद
डॉ पल्लब भट्टाचार्य| राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद
डॉ मृदुल सेठ| गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
डॉ हरेश बारोट, डॉ पियूष देसाई| शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, गुजरात प्रांत

सह - संयोजक

प्रो. भरत सुतारिया, डॉ योगेश सोनवणे, डॉ अच्छे लाल, डॉ विकास ओझा, डॉ निखिल बारैया,डॉ ट्विंकल सिंह
| सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,सूरत

सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,सूरत:- इस संस्थान की स्थापना १९६१ में सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए आरईसी के रूप में की गई थी। वर्ष १९८३-८४ में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक कार्यक्रम शुरू किए गए और वर्ष १९८८-८९ में कंप्यूटर इंजीनियरिंग और प्रोडक्शन इंजीनियरिंग में स्नातक कार्यक्रम शुरू किए गए। वर्ष १९९५-९६ में, केमिकल इंजीनियरिंग में यूजी कार्यक्रम शुरू किया गया था। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) अधिनियम, १९५६ की धारा ३ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सलाह पर केंद्र सरकार ने सरदार वल्लभभाई क्षेत्रीय इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज (एसवीआरईसी), सूरत को सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एसवीएनआईटी), सूरत को ४ दिसंबर २००२ से "डीम्ड यूनिवर्सिटी" का दर्जा दिया गया। संस्थान को १५ अगस्त २००७ से 'राष्ट्रीय महत्व के संस्थान' का दर्जा दिया गया | यह संस्थान वर्तमान में छ: यूजी, उन्नीस पीजी और तीन एम.एससी. कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। उपरोक्त सभी शाखाओं में डॉक्टरेट कार्यक्रम सहित पांच साल का एकीकृत कार्यक्रम भी सम्मिलित है |

इंस्टीट्यूट ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी, रिसर्च एंड मैनेजमेंट, अहमदाबाद की स्थापना गुजरात सरकार द्वारा वर्ष २०१३ में एक स्वायत्त विश्वविद्यालय के रूप में की गई. संस्थान को इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में तकनीकी और प्रबंधकीय ज्ञान के संबंध में इंजीनियरिंग शिक्षा में महत्वपूर्ण बदलाव लाने का काम सौंपा गया । इस संस्थान का उद्देश्य इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित सभी क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में कार्य करना, और इंफ्रास्ट्रक्चर संबंधित क्षेत्रों में राष्ट्रीय महत्व का दर्जा प्राप्त करने का दृष्टिकोण है। संस्थान सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, और कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बैचलर और मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी कार्यक्रम प्रदान करता है। संस्थान इंजीनियरिंग, विज्ञान, मानविकी, और सामाजिक विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में पीएचडी भी प्रदान करता है। संस्थान ने एयरोस्पेस, रक्षा प्रौद्योगिकी, ड्रोन प्रौद्योगिकी, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में उत्कृष्टता केन्द्रों को भी स्थापित किया है।

शिक्षा संस्कृती उत्थान न्यास द्वारा वर्ष २००४ में भारत के शिक्षा जगत के पाठयाक्रमों में व्याप्त विदृपताओं के विरुद्ध "शिक्षा बचाओ आंदोलन" प्रारंभ किया गया था। इस आंदोलन के माध्यम से देश में विभिन्न स्तर के पाठ्यक्रमों में व्याप्त विकृतियों को दूर करने में अद्वितीय सफलता प्राप्त हुई। इस संघर्ष को संस्थागत स्वरूप प्रदान कर २४ मई २००७ को "शिक्षा संस्कृती उत्थान न्यास" का गठन किया गया। अपने गठन के समय से ही न्यास ने अपना व्यापक लक्ष तय किया – " देश कि शिक्षा को एक नया विकल्प देना"। इसी उद्देश्य से न्यास ने शिक्षा के आधारभूत विषयों पर कार्य प्रारंभ किए और यह प्रयास अनवरत जारी है।

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), अहमदाबाद:- औषध विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के दूरगामी दृष्टि से वर्ष २००७ में छ: नए नाईपर संस्थानों की स्थापना की गई। नाईपर अहमदाबाद में शिक्षण की शुरुआत मुख्य तीन विषयों; जैव प्रौद्योगिकी, प्राकृतिक उत्पाद, फार्मास्यूटिक्स पाठ्यक्रमों के साथ की गई, एवं समय के साथ वर्ष २०१० में और भी तीन पाठ्यक्रमों; औषधीय विश्लेषण, औषधीय रसायन विज्ञान, फार्माकोलॉजी और टॉक्सीकोलॉजी को शामिल किया गया। तत्पश्चात् वर्ष २०११ में, भारत में चिकित्सा उपकरण उद्योग की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु नाईपर-ए में चिकित्सा उपकरण विषय के रुप में एक और पाठ्यक्रम को शामिल किया गया। नाईपर अहमदाबाद, शिक्षण, अनुसंधान और उद्यमशीलता प्रशिक्षण में उत्कृष्टता का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमुख केंद्र के रूम में विकसित होने के लिए प्रयासरत है।

गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय जीटीयू गुजरात राज्य का राजकीय तकनीकी विश्वविद्यालय है, जिससे ४८६ कॉलेज संबद्ध हैं, जो गुजरात राज्य में अहमदाबाद, गांधीनगर, वल्लभ विद्यानगर, राजकोट, सूरत, भुज आदि छह क्षेत्रों में संचालित होते हैं। विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग, वास्तुकला, प्रबंधन, फार्मेसी और कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न पाठ्यक्रमों को संचालित करता है। विश्वविद्यालय में लगभग २,२५,००० छात्र बड़ी संख्या में डिप्लोमा, अंडर ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट कार्यक्रमों के साथ-साथ डॉक्टरेट कार्यक्रम में भी नामांकित हैं।

राष्ट्रीय कार्यशाला

"तकनीकी शिक्षा में शोध, नवाचार और उद्यमिता विकास: NEP २०२०"

National Workshop on Research, Innovation & Entrepreneurship in Technical Education: NEP 2020

फरवरी १० -११, २०२४

पंजीकरण एवं शुल्क विवरण हेतु
https://forms.gle/YfzPu2uTSUTvxQjE7

अधिक सूचना हेतु संपर्क
डॉ दीपक जोशी - ७८९६१ ७१६५९
डॉ अतुल सराफ - ८२७५९ ३२२१६

Scan the QR code to register the event

स्थल

सरदार वल्लभभाई पटेल अतिथि गृह (SVNIT Guest-House),
सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,सूरत,
गुजरात, पिन ३९५००७

राष्ट्रीय कार्यशाला

“तकनीकी शिक्षा में शोध, नवाचार और उद्यमिता विकास: राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२०”

National Workshop on Research, Innovation & Entrepreneurship in Technical Education: NEP 2020

ORGANIZER

Sardar Vallabhbhai National Institute of Technology(SVNIT), Surat
Institute of Infrastructure Technology Research and Management(IITRAM), Ahmedabad
Shiksha Sanskriti Utthan Nyas, New Delhi
National Institute of Pharmaceutical Education and Research (NIPER), Ahmedabad
Gujarat Technological University (GTU), Ahmedabad

February 10 and 11, 2024.

Speakers

Dr Atul Kothari
Secretary, Shiksha Sanskriti Utthan Nyas, New Delhi

Dr Arvind Ranade
Director, National Innovation Foundation

Dr Unnat Pandit
Controller General of Patents, Design and Trademarks (CGPDTM), Mumbai

Dr Rajive Kumar
Member Secretary, AICTE

Prof. Ganesan Kannabiran
Director, NAAC

Prof. Abhay Karandikar,
Secretary, DST

Dr Anita Agrawal
Head, SEED DST

Registration Link

https://forms.gle/YfzPu2uTSUTvxQjE7

Scan the QR code to register the event

Venue:

Sardar Vallabhbhai National Institute of Technology, Surat 395 007

Contact Persons: Dr Deepak Joshi, 7896171659 & Dr Atul Saraf, 8275932216